अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 राहत का मौसम...
6 WTC फाइनल की टीम में शामिल 4 भारतीय खिलाड़ी चोटिल...
7 योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का अध्ययन कराया...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-17 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 02 मई से 08 मई 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार को ले जा रहे हेलिकॉप्टर की आपात लैंडिंग

कांग्रेस नेता एक जनसभा में शामिल होने के लिए कोलार जिले के मुलबगल जा रहे थे। शिवकुमार के करीबी सूत्रों ने बताया कि हेलिकॉप्टर ने बेंगलुरु के जक्कुर हवाईअड्डे से उड़ान भरी थी, लेकिन रास्ते में एक पतंग उससे टकरा गई। टक्कर की वजह से शीशे के टुकड़े-टुकड़े हो गए। हेलिकॉप्टर को एचएएल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी।

जय बजरंगबली बोलने वालों को..., कांग्रेस के घोषणापत्र पर पीएम मोदी का बड़ा हमला

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जिसे इस देश के हर क्षेत्र ने नकार दिया है. आज सिर्फ तीन राज्यों में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत वाली सरकार है.

कर्नाटक के होसपेट में पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (2 मई) को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जोरदार बोला हमला. उन्होंने कांग्रेस के घोषणापत्र का जिक्र करते हुए कहा कि पहले प्रभु श्रीराम से तकलीफ थी और अब जय बजरंगबली बोलने वालों से नफरत है. कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बजरंग दल, पीएफआई जैसे संगठन को बंद करने का एलान किया है.

पीएम ने कहा कि आज हनुमान जी की इस पवित्र भूमि को नमन करना मेरा बहुत बड़ा सौभाग्य है और दुर्भाग्य देखिए, मैं आज जब यहां हनुमान जी को नमन करने आया हूं उसी समय कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में बजरंगबली को ताले में बंद करने का निर्णय लिया है. पहले श्रीराम को ताले में बंद किया और अब जय बजरंगबली बोलने वालों को ताले में बंद करने का संकल्प लिया है. ये देश का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस पार्टी को प्रभु श्रीराम से भी तकलीफ होती थी और अब जय बजरंगबली बोलने वालों से भी तकलीफ हो रही है.

कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में क्या कहा?

कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में कहा है कि कांग्रेस जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले संगठनों के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने को प्रतिबद्ध है. हमारा मानना है कि कानून और संविधान पवित्र है. कोई व्यक्ति या बजरंग दल, पीएफआई और नफरत एवं शत्रुता फैलाने वाले दूसरे संगठन, चाहे वह बहुसंख्यकों के बीच के हों या अल्पसंख्यकों के बीच के हों, वे कानून और संविधान का उल्लंघन नहीं कर सकते. हम ऐसे संगठनों पर कानून के तहत प्रतिबंध लगाने समेत निर्णायक कार्रवाई करेंगे.

गांवों के बीच शहरों जैसी सुविधा पहुंच रही

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि बीजेपी कर्नाटक की मान-मर्यादा और संस्कृति पर कोई आंच नहीं आने देगी. बीजेपी कर्नाटक के विकास के लिए, यहां के लोगों को आधुनिक सुविधा देने के लिए, नए अवसर देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है. कांग्रेस के दशकों के शासन ने शहरों और गांवों के बीच खाई को बहुत ज्यादा बढ़ा दिया था, बीजेपी सरकार गांव और शहर के बीच खाई को लगातार कम करने में जुटी हुई है. आज हमारे गांवों के बीच शहरों जैसी सुविधा पहुंच रही है. गांव से जुड़ी दूसरी चुनौतियों का भी बीजेपी सरकार समाधान कर रही है.

कांग्रेस ने देश की विरासत पर गर्व नहीं किया

कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि हम्पी एक ऐसी जगह है जिसपर भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को गर्व है लेकिन गुलामी की मानसिकता से भरी कांग्रेस ने कभी भी भारत के इतिहास और विरासत पर गर्व नहीं किया. इसका नुकसान हम्पी जैसे स्थानों को भी उठाना पड़ा. यह बीजेपी की ही सरकार है जो अब स्वदेश दर्शन के जरिए हम्पी की ऐतिहासिक विरासत

का संरक्षण कर रही है.

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड गारंटी पूरी करने का नहीं बल्कि गरीबों को लूटने का है. कर्जमाफी से लेकर हर घर बिजली पहुंचाने की गारंटी तक, कांग्रेस ने झूठ ही झूठ बोला है. कांग्रेस की गारंटी की बात करती है, लेकिन उसका मकसद कुछ और होता है. कांग्रेस की नजर योजनाओं के 85त्न पैसे पर होती है. हमें कर्नाटक को कांग्रेस की 85त्न कमीशन वाली आदत से बचाना है

हिंदू देवी की आपत्तिजनक तस्वीर पर भड़के भारतीय, यूक्रेन ने मांगी माफी

भारतीयों ने यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय की तरफ से ट्वीट की गई मां काली की आपत्तिजनक तस्वीर को लेकर सख्त आपत्ति जताई है. सूचना और प्रसारण मंत्रालय की वरिष्ठ सलाहकार कंचन गुप्ता ने कहा है कि यूक्रेन का असली चेहरा सामने आ चुका है. हालांकि, अब यूक्रेन ने तस्वीर पर माफी मांगते हुए कहा है कि यूक्रेन के लोग भारतीय संस्कृति का सम्मान करते हैं.

यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय की तरफ से बीते रविवार को मां काली की एक आपत्तिजनक तस्वीर ट्वीट की गई जिस पर काफी हंगामा मचा है. भारतीयों ने इसे हिंदूफोबिक बताते हुए सोशल मीडिया पर कड़ी आपत्ति जताई जिसके बाद जल्द ही कार्टून को डिलीट कर दिया गया। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की वरिष्ठ सलाहकार कंचन गुप्ता ने कार्टून की आलोचना करते हुए कहा कि यह पूरे विश्व में फैले हिंदुओं की भावनाओं पर हमला है. हालांकि, मंगलवार को यूक्रेन ने कार्टून को लेकर माफी मांग ली है।

45 मिनट का सफर सिर्फ 25 मिनट में

मुंबई में शुरू होने वाली देश की पहली अंडर वाटर टनल कैसी होगी?

भारत की पहली अंडर वाटर टनल मुंबई में नवंबर में शुरू होने जा रही है। इस परियोजना पर लंबे समय से काम चल रहा है और 93 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है।

बीएमसी के महत्वकांक्षी परियोजना मुंबई कोस्टल रोड प्रोजेक्ट पर तेज गति से काम शुरू कर दिया गया है। इसी कोस्टल रोड प्रोजेक्ट की एक अहम कड़ी 10.58 किलोमीटर लंबा MCRP लिंक है जो मरीन ड्राइव से बांद्रा वर्ली सी लिंक को कनेक्ट करता है। इस हाई स्पीड कोस्टल रोड के तैयार होने के बाद गिरवांग से वर्ली जाने में जो पहले 45 मिनट लगते थे, उसे 10 मिनट तक कर दिया जाएगा। बड़ी बात ये है कि जो सुरंग बनाई जा रही है, उसमें 17 से 20 मीटर तो समुद्र तल के नीचे है। अभी तक इस प्रोजेक्ट का 93 फीसद काम पूरा हो चुका है।

अंडर वाटर टनल की क्या खासियत?

बताया जा रहा है कि सुरंग के अंदर 6 मार्ग बनाए जाएंगे, वहां भी चार तो पैदल चलने वालों के लिए रहेंगे, वहीं दो मोटर चालकों के लिए रखे जाएंगे। इसके अलावा एक तीसरी लेन भी रहेगी जिसका इस्तेमाल आपात स्थिति में किया जाएगा। वैसे इस प्रोजेक्ट के साथ एक खास बात और जुड़ रही है. इस परियोजना में जिस टनल बोरिंग मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा है, वो अब तक की सबसे बड़ी है। टनल बोरिंग मशीन का वजन 1,700 टन से अधिक बताया जा रहा है और ये 12 मीटर लंबा भी है।

किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

अब कहने को ये प्रोजेक्ट नवंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा, लेकिन इसमें कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा है। इन चुनौतियों में चीन के साथ चल रहा तनाव भी एक अहम कड़ी रहा। इस बारे में साउथ कोरिया से आए सीनियर टनल इंजीनियर नमकाक चो ने कहा कि लॉकडाउन और सीमा विवाद की वजह से कई परेशानियों का सामना करना पड़ा।

असल में पहले चीन से कुछ इंजीनियर्स को आना था, जिस टीबीएम का इस्तेमाल किया जा रहा है, उसका प्रशिक्षण वो इंजीनियर ही देने वाले थे, लेकिन पहले कोरोना और फिर दोनों देशों के बीचे हुए सीमा विवाद ने उस प्रक्रिया को रोक दिया था।

सम्पादकीय

राहत का मौसम

पिछले कुछ समय से बार-बार पश्चिमी विक्षोभ उत्पन्न होने से सामान्य से ज्यादा बरसात हुई और मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 35.32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम की अपनी गति होती है। हमारे देश में ऋतु चक्र के मुताबिक जिन महीनों को गर्मी, जाड़ा या बरसात का माना जाता रहा है, वह कमोबेश उसी तरह चलता रहता है। लेकिन इसमें पर्यावरण संबंधी कुछ उथल-पुथल की वजह से किसी मौसम की अवधि में थोड़ा बदलाव या आगे-पीछे हो सकता है। फिलहाल अप्रैल के आखिर और मई की शुरुआत में मौसम ने जो रंग बदला है, वह अपेक्षा से थोड़ा अलग है, क्योंकि इन दिनों आमतौर पर गर्मी ज्यादा पड़ रही होती है।

लेकिन बीते दो दिनों में हुई बारिश ने तापमान में काफी कमी कर दी है और लोगों को गर्मी की मार से राहत मिली है। यों इस साल पूरा अप्रैल का महीना खुशनुमा ही बीता और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी कम रहा। जबकि पिछले साल इसी दौरान यानी अप्रैल-मई में खासतौर पर दिल्ली के लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा था। काफी लोग लू और गर्म हवा के थपेड़ों की चपेट में आकर बीमार भी हुए।

पिछले कुछ समय से बार-बार पश्चिमी विक्षोभ उत्पन्न होने से सामान्य से ज्यादा बरसात हुई और मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 35.32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि अप्रैल की शुरुआत में विभाग की ओर से ही उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों को छोड़ कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान रहने का अनुमान जताया गया था।

लेकिन न केवल अप्रैल में मौसम के लिहाज से स्थिति अच्छी और सहज रही, बल्कि इस बार अप्रैल के आखिर में तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दरअसल, इस दौरान कम से कम पांच बार पश्चिमी विक्षोभ पैदा होने से दिल्ली में अप्रैल में अच्छी-खासी बारिश हो गई, जिसकी तुलना पांच साल पहले की स्थिति से की जा रही है।

जाहिर है, इस बार तापमान में जो उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है, उतने में गर्मी अपने नियंत्रित स्वरूप में होती है और लोगों को सेहत या कामकाज या अपनी अन्य गतिविधियों के लिए परेशान नहीं होना पड़ता है। यही वजह है कि इस बार भीषण गर्मी की मार ज्यादा चिंता नहीं पैदा कर रही है। लेकिन इतनी बरसात में ही दिल्ली में सड़कों पर जलभराव और जाम के जो हालात बने, वह व्यवस्थागत कमियों का ही उदाहरण है।

एक अन्य पहलू यह है कि तापमान में संतुलन के साथ-साथ प्रदूषण के मोर्चे पर भी काफी राहत की तस्वीर बनी है। केंद्रीय वायु गुणवत्ता आयोग की ओर से दिल्ली की हवा का जो आकलन किया गया, उसके मुताबिक सात साल में पहली बार दिल्ली में जनवरी से अप्रैल के दौरान स्वच्छ हवा वाले दिनों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है।

2016 में इस दौरान खराब से गंभीर श्रेणी में एक सौ तीन दिन दर्ज किए गए थे, जबकि इस साल यह अब तक घट कर केवल अड़सठ दिन रह गए हैं। वातावरण में प्रदूषक तत्त्वों या सूक्ष्म कणों का स्तर भी न्यूनतम रहा। हालांकि कोरोना महामारी के दौरान पूर्णबंदी की वजह से जब सारी गतिविधियां रुक गई थीं, तब स्थिति में ऐसा सुधार देखा गया था।

कहा जा सकता है कि अन्य सालों की अपेक्षा इन महीनों में गर्मी की मार के साथ-साथ प्रदूषण की वजह से खड़ी होने वाली परेशानी में कमी मौसम के सकारात्मक रुख को दर्शाती है। जरूरत इस बात की है कि लोग पर्यावरण को स्वच्छ रखने में अपना भी योगदान दें।

संपादक-
गोपाल गावंडे

म्यांमा के सामरिक संकेत

चीन-म्यांमा आर्थिक गलियारा भी चीन की वृहत योजना का अहम हिस्सा है, वहीं भारत के लिए यह सामरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण है।

भारत ने म्यांमा की सड़क परियोजनाओं में भी बहुत मदद की है, जिससे आने वाले समय में पूर्वोत्तर को बहुत फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ी है। मगर अब म्यांमा की सैन्य सरकार का रुख भारत के हितों की रक्षा के अनुकूल नहीं दिखाई पड़ रहा है। आर्थिक सहयोग के साथ चीन से म्यांमा का बढ़ता रक्षा सहयोग भारत की सामरिक चुनौती बढ़ाने वाला है।

भारत के पड़ोसी देशों के बंदरगाहों में चीन का निवेश हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री ऊर्जा के रास्तों पर नियंत्रण करने और दक्षिण एशियाई देशों में बंदरगाहों को विकसित करके अपनी ताकत का विस्तार करने की उसकी योजना का एक हिस्सा है। चीन के नौसैनिक उन समुद्री ठिकानों पर अन्य देशों के नौसैनिकों को प्रशिक्षण दे रहे हैं, जहां चीन की नौसेना ने हाल ही में अड्डे बनाए हैं।

इनमें बांग्लादेश, श्रीलंका, मालद्वीप और पाकिस्तान शामिल हैं। वहीं म्यांमा के साथ चीन के बढ़ते सामरिक संबंध भारत की चिंता बढ़ाने वाले हैं। म्यांमा के कोको द्वीप में असामान्य सैन्य गतिविधियों से चीन और भारतीय नौसेना के हितों के साथ टकराव होने की संभावना बढ़ गई है।

दरअसल, चीन की 'वन बेल्ट रोड' परियोजना का उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य एशिया, खाड़ी देश, अफ्रीका और यूरोप के देशों को सड़क और समुद्री रास्ते से जोड़ना है। चीन के लिए आर्थिक और सामरिक दृष्टि से अतिमहत्त्वपूर्ण इस परियोजना के लिए भौगोलिक रूप से म्यांमा काफी अहम है। म्यांमा दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच स्थित है। यह चारों ओर से जमीन से घिरे चीन के युन्नान प्रांत और हिंद महासागर के बीच पड़ता है। चीन-म्यांमा आर्थिक गलियारा भी चीन की वृहत योजना का अहम हिस्सा है, वहीं भारत के लिए यह सामरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण है।

2019 से 2030 तक चलने वाले आर्थिक सहयोग के तहत दोनों देशों की सरकारों में आधारभूत संरचना, उत्पादन, कृषि, यातायात, वित्त, मानव संसाधन विकास, शोध, तकनीक और दूरसंचार जैसे कई क्षेत्रों में कई परियोजनाओं को लेकर सहयोग करने पर सहमति बन चुकी है। इसके तहत चीन के युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग से म्यांमार के दो मुख्य आर्थिक केंद्रों को जोड़ने के लिए लगभग सत्रह सौ किलोमीटर लंबा कारिडोर बनाया जाना है।

भारत दक्षिण पूर्वी देशों के साथ आर्थिक और कारोबारी सहयोग बढ़ाना चाहता है, तो उसका रास्ता म्यांमा से होकर ही जाता है। मगर भारत की 'लुक ईस्ट' या 'एक्ट ईस्ट' की नीतियों के बावजूद म्यांमा में चीन का प्रभाव लगातार बढ़ा है। चीन अल्पविकसित और गरीब देशों को आर्थिक फायदों के सपने दिखाकर उनके संसाधनों पर कब्जा कर लेता है और इससे सामरिक समस्या भी बढ़ जाती है। म्यांमा का कोको द्वीप बंगाल की खाड़ी में स्थित कुछ छोटे द्वीपों का समूह है। भारत के सामरिक, आर्थिक, रणनीतिक और व्यापक राजनीतिक हित द्वीपों की सुरक्षा से जुड़े हैं और इसमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को बेहद खास माना जाता है।

अंडमान के प्राकृतिक बंदरगाह जहाजों और पनडुब्बियों के अनुकूल माने जाते हैं। अंडमान निकोबार की सामरिक स्थिति का महत्त्व पहली बार 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय दिखा था, जब भारतीय नौसेना ने इसका इस्तेमाल तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के जहाजों और नौसैनिक ठिकानों को ध्वस्त करने में किया था। उसके बाद के वर्षों में यहां नौसेना और वायुसेना के अड्डों को और मजबूत बनाया गया। म्यांमा भारत की सुरक्षा चिंताओं से भली भांति वाकिफ है, लेकिन इसके बाद भी कोको द्वीप में उसकी बढ़ती गतिविधियां भारत के लिए समुद्री सुरक्षा को लेकर आशंकित करने वाली है। ऐसा माना जा रहा है कि म्यांमा के कोको द्वीप पर इलेक्ट्रानिक जासूसी की क्षमताएं मजबूत की जा रही हैं।

म्यांमा की सैन्य सत्ता को हथियार, जासूसी विमान और समुद्री सुरक्षा समेत अन्य मदद चीन देता रहा है। करीब ढाई दशक से म्यांमा की इरावदी नदी पर चीन की सेनाओं का बड़ा अड्डा मौजूद है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर म्यांमा के अलग-थलग पड़ने के कारण चीन के साथ म्यांमा के बड़े मजबूत संबंध हैं। म्यांमा के ग्रेट कोको द्वीप के सबसे दक्षिणी सिरे पर एक अतिरिक्त हवाई पट्टी का निर्माण किया जा रहा है, इसके साथ ही विमानों के खड़े होने के लिए 'हैंगर' जैसी नई सुविधाएं तैयार की जा रही हैं।

द्वीप पर रडार स्टेशन और ऊंची इमारतों का निर्माण म्यांमा की तात्कालिक जरूरत बिल्कुल नहीं लगती, लेकिन हिंद महासागर में इसका बड़ा फायदा चीन को मिल सकता है। चीन इसकी मदद से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से हो रहे संचार की निगरानी कर सकेगा। इसके अलावा वह भारतीय सेना की निगरानी वाली उड़ानों और नौसेना के तैनाती के चलन का भी पता लगा सकेगा। अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर एकीकृत कमान के तहत भारत की तीनों सेनाओं के साझा अड्डे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अंडमान और निकोबार में कई सैन्य अभ्यास किए हैं। इस वर्ष अंडमान और निकोबार कमांड ने थल सेना, नौसेना, वायु सेना और तटरक्षक बलों की संपदाओं को शामिल करते हुए बड़े स्तर पर एक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एक्स कवच' का आयोजन किया। इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त युद्ध क्षमताओं और मानक संचालन प्रक्रियाओं को ठीक करना और सेनाओं के बीच अंतर परिचालन और संचालन तालमेल को बढ़ाना था।

2020 में जब गलवान घाटी में चीन और भारत के बीच सैन्य तनाव चरम पर था, तब भारतीय नौसेना ने अमेरिकी नौसेना के समूह के साथ मिलकर अंडमान निकोबार द्वीप समूह के पास सैन्य अभ्यास किया था। इसमें युद्धपोतों के एक बेड़े ने यूएसएस निमित्ज की अगुआई में अभ्यास किया था। यह दुनिया के सबसे बड़े युद्धपोतों में से एक है। यह युद्धपोत परमाणु क्षमता से लैस है।कोको द्वीप में उच्च स्तर के इलेक्ट्रानिक जासूसी उपकरण स्थापित करने से अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर स्थित भारत की तीनों सेनाओं के अड्डे के लिए चुनौतियां पैदा होंगी। म्यांमा आसियान का एकमात्र सदस्य देश है, जिससे भारत की समुद्री और भू-भागीय सीमाएं मिलती हैं। भारत की 'लुक ईस्ट' नीति से म्यांमा का महत्त्व ज्यादा बढ़ गया है।

चीन म्यांमा में एक सैन्य सरकार चाहता है, जिससे वह अपने आर्थिक और सामरिक हितों को बिना किसी दबाव के पूरा कर सके। भारत के लिए म्यांमा की अस्थिरता बहुत चुनौतीपूर्ण है। भारत और म्यांमा के बीच करीब सोलह सौ चालीस किलोमीटर की सीमा है और इसकी जद में पूर्वोत्तर का बड़ा क्षेत्र आता है। इस सीमा पर ऐसे कई कबाइली समूह हैं, जो अलगाववादी हैं और वे पूर्वोत्तर में सुरक्षा संकट बढ़ाते रहते हैं। इनमें से कुछ गुटों को चीन का समर्थन भी हासिल है। म्यांमा की भौगोलिक स्थिति भारत की सुरक्षा की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। भारत 1992 से अपनी 'पूर्व की ओर देखो' नीति के अनुसार मणिपुर-म्यांमा-थाईलैंड राजमार्ग का निर्माण करने को कृतसंकल्पित है। दोनों देशों के बीच सोलह किलोमीटर के क्षेत्र में मुक्त आवागमन का प्रावधान है, सरहदी हाट खुलने से व्यापार-व्यवसाय में तेजी आने की उम्मीद बढ़ी है।यही नहीं, दोनों देशों के साझा सैन्य अभियानों से पूर्वोत्तर के चीन-पाक-बांग्लादेश समर्थित आतंकवाद पर गहरी चोट होती रही है। भारतीय सेना द्वारा 1995 का 'गोल्डन बर्ड आपरेशन' के कारण आतंकवादियों का सफाया हो या 2015 में म्यांमा की सीमा में घुसकर आतंकियों को मार गिराने की सफलता, म्यांमा-भारत के आपसी सहयोग की यह मिसाल है।

भारत के मिजोरम तथा म्यांमा के सितवे बंदरगाह को जोड़ने के लिए कलादान मल्टीमाडल पारगमन परियोजना को विकसित किया जा रहा है। भारत ने म्यांमा की सड़क परियोजनाओं में भी बहुत मदद की है, जिससे आने वाले समय में पूर्वोत्तर को बहुत फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ी है। मगर अब म्यांमा की सैन्य सरकार का रुख भारत के हितों की रक्षा के अनुकूल नहीं दिखाई पड़ रहा है। आर्थिक सहयोग के साथ चीन से म्यांमा का बढ़ता रक्षा सहयोग भारत की सामरिक चुनौती बढ़ाने वाला है।

महिलाओं ने जहर खाकर दी जान

इंदौर। अलग-अलग स्थानों पर दो महिलाओं ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। दोनों ही मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पहली घटना एरोड्रम इलाके की है। पुलिस के मुताबिक नंदन नगर में रहने वाली प्रगति शर्मा (24) ने जहर खा लिया था। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां रविवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रगति की डेढ़ साल पहले ही शादी हुई है। उसका चार माह का एक बेटा है। पति मुकुल ने बताया कि वह फर्नीचर का काम करता है। मुकुल के मुताबिक प्रगति रविवार को पारिवारिक शादी में शामिल होने के लिए मायके जाने की तैयारी कर रही थी। उसने आत्महत्या क्यों की यह मुकुल बता नहीं पाया।

बाणगंगा में रहने वाली एक नवविवाहिता ने जहर पीकर जान दे दी। उसे पति बेसुध हालत में एमवाय लेकर पहुंचा था। यहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। पुलिस के मुताबिक मृतका का नाम जान्हवी बटेडा (25) निवासी शिव कंठ कॉलोनी है। जान्हवी ने रविवार को जहर पी लिया था। जिसके बाद उसकी मौत हो गई। पति विजय ने बताया कि वह जूते की फैक्ट्री में काम करता है। मेरी जान्हवी से कहासुनी हुई थी। जिसके बाद उसने यह कदम उठा लिया। विजय ओर जान्हवी का चार साल का एक बेटा भी है। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

पिता-पुत्र में विवाद

इंदौर। पिता-पुत्र में विवाद में विवाद हो गया और जमकर मारपीट हुई। मामला राऊ थाना क्षेत्र का है । पुलिस के अनुसार फरियादी कुंदन पिता संजय चौधरी निवासी रंगवासा की शिकायत पर पिता संजय के खिलाफ केस दर्ज किया गया है । थाने में दोनों ने एक दूसरे पर आरोप लगाए कि नशा कर एक दूसरे से वाद-विवाद करते हैं। इसी तरह तिलक नगर थाने में फरियादी बालकराम भालसे ने अपने बेटे बादल के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया है। यहां बेटे ने अपने पिता के सिर पर मोगरी मार कर उसे गंभीर घायल कर दिया।

सडक़ हादसे में किसान की मौत

इन्दौर । विवाह समारोह में शामिल होकर लौट रहे किसान को बाइक सवारों ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर बाइक सवार की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हादसा धार रोड पर श्रीराम तलावली चांदा इलाके में हुआ। यहां दतोदा निवासी 52 वर्षीय ताराचंद पिता देवीसिंह को बाइक ने टक्कर मार दी थी। हादसे में वह बुरी तरह घायल हो गया। राह चलते लोगों ने उसे देखा तो पुलिस को सूचना दी और उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन बचाया नहीं जा सका।

युवक की संदिग्ध मौत

इन्दौर । ज्ञानी पिता रोशनलाल धनक (40) निवासी सेठी नगर को बीती रात पत्नी बेहोशी की हालत में बड़े अस्पताल लेकर पहुंची जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित किया। पुलिस के मुताबिक युवक की मौत कैसे हुई स्पष्ट नहीं है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। छत्रीपुरा पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

शादी की खुशियां मातम में बदली

बहन की शादी से पहले भाई ने दी जान

इंदौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले परिवार के यहां शादी की खुशियां कल मातम में बदल गई। जिस युवक को अपनी बहन की शादी के बाद बिदाई करना थी। उस युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। परिजनों को जब उसकी आत्महत्या का पता चला तो परिवार में कोहराम मच गया। फिलहाल मामले में पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार सिरपुर इलाके में रहने वाले 22 वर्षीय विशाल पिता मुकेश चौधरी ने अपने कमरे में कल रात फांसी लगा ली। जब परिजनों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो घटना का पता चला, उसे फंदे से उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी जान जा चुकी थी। बताया जाता है कि बुधवार को विशाल की छोटी बहन की शादी है। इसके चलते शादी वाले घर में खुशियों का माहौल था, शादी लिए मंडप सज चुका है। कल उसकी बरात हातोद से आने वाली है। शादी वाले घर में खुशियों का माहौल था, लेकिन जैसे ही विशाल की खुदकुशी का पता चला तो खुशियां मातम में बदल गई। फिलहाल यह पता नहीं चल सका है कि किन कारणों के चलते विशाल ने खुदकुशी की। उधर, मामले में पुलिस का कहना है कि परिजनों के बयान और जांच के बाद ही खुदकुशी के कारणों का पता चल सकेगा।

पत्नी पर जानलेवा हमला कर बहन के घर चला गया था

आरोपी को पुलिस ने होशंगाबाद से पकड़ा

इंदौर। कोर्ट में चल रहे तलाक के केस में पत्नी को सुलह के बहाने से बुलाकर जानलेवा कर फरार हुए आरोपी को पुलिस ने होशंगाबाद से गिरफ्तार किया है। वह यहां पर अपनी बहन के घर फरारी काट रहा था। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

लक्ष्मणपुरा इलाके में करण पिता अनोखीलाल विश्वकर्मा किराए का मकान लेकर रहता है, जो मूल रुप से भोपाल का रहने वाला है। करण का पत्नी निशा से विवाद होने के बाद तलाक का केस कोर्ट में विचाराधीन है। इस मामले में सुलह के बहाने 29 अप्रैल को करण ने पत्नी निशा को बातचीत के लिए बुलवाया। उसने पत्नी से तलाक का केस वापस लेने के लिए कहा पत्नी नहीं मानी तो करण ने पत्नी निशा के गले एवं शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया और फरार हो गया। एरोड्रम पुलिस ने करण के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी। आरोपी को पकडऩे के लिए उसके नातेदारों-परिचितों के यहां पुलिस पहुंची, लेकिन वह नहीं मिला।द्ध इसी बीच पुलिस ने करण को बहन के घर जिला होशंगाबाद से गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे जेल भेजने के आदेश दिए।

चाकूबाजी में दो घायल

अलग-अलग स्थानों पर हुई चाकूबाजी में दो लोग घायल हो गए। नितेश पिता अशोक पाल निवासी तुकोगंज को कल दोपहर लोहामंडी क्षेत्र में संदीप और दो अन्य ने रोका और शराब पीने के लिए पैसे मांगे नहीं दिए तो उसे चाकू मार कर भाग गए। इंदौर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया वही ऋषि पैलेस कॉलोनी में रहने वाले भावेश पिता यशवंत पवार 24 साल को रारात में वीआईपी परस्पर रोड पर रैली में नाचने को लेकर हुए विवाद में आरोपी दादा राव ने चाकू मार दिया और धमकी देकर भाग गया। द्वारकापुरी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

शराब दुकान के बाहर युवक की हत्या का प्रयास

इंदौर। परदेशीपुरा इलाके में शराब दुकान के बाहर एक युवक पर बदमाशों ने उसकी हत्या का प्रयास करते हुए चाकू और डंडों से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। बताया जाता है कि घायल की आरोपियों से रंजिश चल रही है, इसके चलते हमला किया गया। पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार राजू पिता विट्ठलराव पवार निवासी फिरोज गांधी नगर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि दोस्त गणेश पिता बालनाथ के 40 साल निवासी बंसी प्रेस की चाल रात्रि सवा नौ बजे वहां बंसी प्रेस के पास शराब की बोतल खरीदने गया था जहां राहुल उर्फ कालू निवासी जीवन की फेल विकास उर्फ चिंटू निवासी टापू नगर और अभिषेक उर्फ़ आशु ने बेवजा उसे गालियां देते हुए कहा कि तू क्षेत्र में खूब दादागिरी करता है। इसी बात को लेकर उस पर चाकू व डंडों से से हमला किया और फरार हो गए । घटना से वहां अफरा-तफरी मच गई। गणेश को तत्काल बड़े अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी हालत खबर लिखे जाने तक गंभीर बनी हुई थी। पुलिस के मुताबिक गणेश की दोनों पैरों की जांग और कमर पर चाकू के घाव पाए गए हैं। परदेशीपुरा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा का प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी।

रंजिश के चलते बदमाशों ने किया जानलेवा हमला

टक्कर से बाइक सवार घायल

इंदौर। बस के चालक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मारकर घायल कर दिया। सांवेर पुलिस के मुताबिक दुर्घटना सांवेर में शासकीय कालेज में समीप हुई। घायल का नाम विनय पिता कमल भाटिया निवासी तेजाजी चौक है। उसकी रिपोर्ट पर बस एमपी 09 एफए 8820 के चालक पर केस दर्ज किया गया है। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

युवती से मारपीट

इंदौर। सराफा चाट चौपाटी पर उधारी के विवाद में आरोपी ने एक युवती के साथ मारपीट कर दी। वैशाली निवासी विजय नगर की रिपोर्ट पर आरोपी आनंद पांडेय के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। युवती ने पुलिस को बताया कि विजय चाट चौपाटी पर गई थी। वहां आरोपी आनंद ने उससे पुराने रूपए मांगे मना करने पर विवाद हो गया और आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

दहेज में 8 लाख रुपए की मांग

इंदौर। एक महिला से उसके पति और ससुराल वालों ने दहेज में 8 लाख रुपए लाने की मांग की। नहीं लाने पर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। प्रताडऩा से तंग आकर महिला ने पुलिस की शरण लेते हुए प्रकरण दर्ज कराया है।। रोशनी परमार 27 साल निवासी सत्य साईं बाग कॉलोनी की रिपोर्ट पर पुलिस ने पति दुर्गेश प्रमाण सास कलावती और ससुर बद्रीलाल जेट विनोद के खिलाफ महिला पुलिस ने दहेज प्रताडऩा की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि फरियादी रोशनी को मायके से 8 लाख रुपये लाने के लिए प्रताड़ित कर रहे थे।

दिमाग की नस फटने से काफी पहले पड़ता है छोटा अटैक, लक्षण पहचानें, 24 घंटे में हो जाते हैं गायब

ब्रेन स्ट्रोक में दिमाग की नस फट जाती है। लेकिन इससे काफी पहले छोटा अटैक दिख सकता है। जिसके लक्षणों को पहचानकर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है। जब दिमाग की कोई नस ब्लॉक हो जाती है तो ब्रेन स्ट्रोक आता है। यह एक जानलेवा स्थिति है, जिसमें समय पर इलाज ना मिलने पर मौत हो सकती है। लेकिन क्या आप मिनी ब्रेन स्ट्रोक के बारे में जानते हैं। जो कि बड़े अटैक से काफी वक्त पहले दिख सकता है। इसके लक्षण हल्के होते हैं, जिन्हें वक्त पर पहचानकर बड़े अटैक से बच सकते हैं। इसे मिनी ब्रेन स्ट्रोक या ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक भी कहते हैं।

दिमाग का छोटा अटैक कब आता है?

ब्रेन स्ट्रोक की तरह छोटा अटैक भी दिमाग की नस ब्लॉक होने से आता है। NHS के अनुसार इसकी वजह से दिमाग को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाती है। लेकिन ये डैमेज परमानेंट नहीं होती है और 24 घंटे में खुद ही ठीक हो जाती है। मगर इसके लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

मिनी ब्रेन स्ट्रोक के लक्षणों पर रखें पैनी नजर

1. शरीर के एक तरफ पर चेहरे, हाथ या पैर में सुन्नपन या कमजोरी
2. अचानक कंफ्यूजन आना
3. अचानक बोलने में दिक्कत आना
4. अचानक देखने में दिक्कत
5. अचानक शारीरिक संतुलन खो जाना
6. अचानक चलने में दिक्कत आना
7. चक्कर आना
8. अकारण तेज और गंभीर सिरदर्द
9. निगलने में कठिनाई
10. चेहरे की मांसपेशियां गिरना

24 घंटे में गायब हो जाते हैं लक्षण

नसों में ब्लड क्लॉट जमने से मिनी स्ट्रोक पड़ता है। जिससे खून पूरी आजादी के साथ घूम नहीं पाता है। लेकिन ये ब्लड क्लॉट छोटे और अस्थाई होते हैं और कुछ ही देर में वापस घुल जाते हैं। लेकिन इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

मिनी स्ट्रोक से बचने के टिप्स

धूम्रान और शराब का सेवन बंद कर दें।

ताजे फल, सब्जी और साबुत अनाज का सेवन करें।

शरीर का वजन कंट्रोल रखें।

नियमित एक्सरसाइज करें।

फैट का सेवन कम कर दें।

स्ट्रोक से बचाने वाली डाइट

ब्रेन स्ट्रोक से बचने के लिए लो फैट, कम नमक के साथ हाई फाइबर डाइट लेनी चाहिए। जिसके लिए आप इन फूड्स को खा सकते हैं।

नाशपाती, स्ट्रॉबेरी, एवोकाडो, सेब, केला, गाजर, चुकंदर, ब्रोकली, पालक, टमाटर, दालें, राजमा, छोले, क्विनोआ,ओट्स,बादाम,चिया सीड्स,शकरकंद

कोलेस्ट्रॉल से लेकर ग्लोइंग स्किन तक, गर्मियों में मौसंबी जूस पीने के हैं अनगिनत फायदे

मौसंबी का जूस स्वाद के साथ सेहत से भी भरपूर है। इसमें पर्याप्त मात्रा में आयरन कैल्शियम पोटैशियम फास्फोरस और अन्य पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। गर्मियों में मौसंबी जूस का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। इसका स्वाद खट्टा और मिठा होता है। यह विटामिन-सी का मुख्य स्रोत है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसमें विटामिन-ए, विटामिन-सी, कैल्शियम, पोटैशियम, फोलेट और कई गुण मौजूद होते हैं। एक्सपर्ट भी इस जूस को पीने की सलाह देते हैं, जो सेहत के साथ स्किन और बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। तो चलिए जानते हैं, मौसंबी जूस पीने के फायदे।

अस्थमा के मरीजों के लिए फायदेमंद

मौसंबी में एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जो अस्थमा के मरीजों के लिए फायदेमंद होता है। जिन लोगों को अस्थमा की समस्या है, उन्हें अपनी डाइट में मौसंबी का जूस जरूर शामिल करना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में मददगार

मौसंबी के जूस में कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाले गुण मौजूद होते हैं। ऐसे में यह कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसमें मौजूद एंटी हाइपरलिपिडेमिक कोलेस्ट्रॉल रोगियों के लिए काफी फायदेमंद है।

कब्ज की समस्या

अगर आप पाचन संबंधी समस्या से परेशान हैं, तो मौसंबी का जूस आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। यह कब्ज से राहत दिलाने में काफी मददगार है।

वजन कम करने में सहायक

मौसंबी में विटामिन-सी पाया जाता है। जो फैट्स को कम करने में मदद करता है। गर्मियों में आप इसे वेट लॉस जर्नी में शामिल कर आसानी से वजन कम कर सकते हैं।

स्किन के लिए

मौसंबी के जूस में नेचुरल ब्लीचींग एजेंट गुण पाए जाते हैं। यह पिंपल्स की समस्या को दूर करने में मदद करता है, जिससे स्किन ग्लोइंग होती है। इसके लिए आप नियमित रूप से मौसंबी के जूस का सेवन कर सकते हैं।

डार्क सर्कल से राहत दिलाए

आजकल डार्क सर्कल की समस्या आम है। इससे राहत पाने के लिए रोजाना मौसंबी जूस को अपने डाइट में जरूर शामिल करें।

बालों के लिए फायदेमंद

मौसंबी जूस में विटामिन-सी और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। यह बालों को स्वस्थ रखने में काफी सहायक माना जाता है। अगर आप स्कैल्प संबंधी समस्या से परेशान हैं, तो मौसंबी के जूस का सेवन कर सकते हैं।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अखबार

अब दीजिये विज्ञापन शहर के अपने रंजीत टाइम्स अख़बार में।

WAYS TO PROMOTE YOUR BUSINESS

विवाह,शोक पत्र, बर्थडे, व्यापार आदि प्रकार के सम्बंधित विज्ञापन दिए जाते है।

राजनीति 24 .NEWS

BOOK NOW

8889066688, 9109639404

WTC फाइनल की टीम में शामिल 4 भारतीय खिलाड़ी चोटिल, कैसे बनेंगे वर्ल्ड चैंपियन?

भारतीय टीम को आईपीएल खत्म होने के 10 दिन बाद ही आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलना है। उसके लिए टीम की घोषणा भी हो चुकी है। लेकिन अब उसमें शामिल खिलाड़ी लगातार चोटिल हो रहे हैं। आईपीएल में अभी तक 4 ऐसे खिलाड़ी चोटिल हो चुके हैं।

नई दिल्ली। भारतीय टीम को अगले महीने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेलना है। 7 जून से लंदन के ओवल पर ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खिताबी जंग होगी। भारत लगातार दूसरी बार फाइनल में है। टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रहा है। लेकिन आईपीएल की वजह से भारतीय खिलाड़ी लगातार चोटिल हो रहे हैं। यह टीम इंडिया के लिए इंजरी प्रीमियर लीग बन चुकी है। दो दिन के भीतर भारत के दो खिलाड़ी चोटिल हो गए हैं। उनका लंबे समय तक टीम से बाहर होना तय दिख रहा है। इस तरह कुल 4 भारतीय खिलाड़ी अनफिट हैं, जो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की टीम का हिस्सा है।

राहुल और उनादकट हुए चोटिल

लखनऊ सुपर जायंट्स के दो खिलाड़ी एक ही दिन चोटिल हो गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ मुकाबले से पहले रविवार को टीम के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट नेट्स पर बॉलिंग करते हुए गिर गए। उनका बायां कंधा चोटिल हो गया है। वहीं मैच के दौरान टीम के खिलाफ केएल राहुल चोटिल हुए। उनके हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है। वह ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे। ये दोनों खिलाड़ी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में टीम इंडिया का हिस्सा हैं।

शार्दुल और उमेश भी फिट नहीं

भारतीय टीम में ऑलराउंडर के रूप में शामिल किये गए शार्दुल ठाकुर भी चोटिल हैं। शार्दुल तीन मैचों से बाहर थे। पिछले मैच में गुजरात के खिलाफ वह बल्लेबाज के रूप में तीसरे नंबर पर खेले। उन्होंने एक भी ओवर नहीं डाला। इसके साथ ही केकेआर के लिए ही खेल रहे उमेश यादव भी चोटिल है। उमेश के हैमस्ट्रिंग में चोट है। उमेश वर्ल्ड चैंपियनशिप टीम में शामिल सबसे अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज हैं।

देर रात तक मैच फिर कर रहे ट्रैवल

आईपीएल में कोरोना के बाद से खिलाड़ियों को काफी कम ट्रैवल करना पड़ रहा था। सभी मुकाबले 3 से 4 मैदानों पर ही हो रहे थे। इस सीजन फिर से होम और अवे नियम चालू हो गया है। इसकी वजह से खिलाड़ियों को लगातार ट्रैवल करना पड़ रहा है। मैच में देर रात तक चलते हैं। ये खिलाड़ियों के चोटिल होने की बड़ी वजह है। आईपीएल से पहले भी टीम इंडिया लगातार मुकाबले खेल रही है। अब खिलाड़ियों पर इसका असर दिखने लगा है। टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले यह टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर नहीं है। अभी लीग में करीब 30 मैच बाकी है और चोटिल खिलाड़ियों की संख्या बढ़ भी सकती है।

बेंगलुरु ने लखनऊ को 28 रनों से हराया, कोहली और डुप्लेसी ने फिर दिखाई साझेदारी

आईपीएल 2023 क 43वां मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर बैंगलोर के बीच हुआ। रॉयल चैलेंजर बैंगलोर ने टॉस जीता। पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इस मैच को आरसीबी ने 18 रन से जीत लिया। यह मैच लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। पहली पारी में मेहमान टीम ने 126 रन बनाए। वहीं, इस आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरे लखनऊ के बल्लेबाजों ने काफी साधारण बल्लेबाजी की जिसकी वजह से मेजबान टीम 18 रन से मुकाबला हार गई। बैंगलोर की ओर से विराट कोहली और फाफ डुप्लेसी ने 44 गेंदों पर 50 रन की शानदार साझेदारी बनाई। इन दोनों की साझेदारी एक और बार देखने को मिली।

13 मई को दिल्ली में सगाई करने जा रहे हैं परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और राजनेता राघव चड्ढा की सगाई की तारीख कन्फर्म हो गई है। 13 मई को राघव और परिणीति नई दिल्ली में सगाई करेंगे। पिछले महीने मुंबई में लंच डेट पर साथ देखे जाने के बाद से ही दोनों के डेटिंग की अफवाहें शुरू हो गई थीं।

जबसे राघव और परिणीति को कई बार साथ देखा गया तब से चर्चा थी कि दोनों चट मंगनी और पट ब्याह कर सकते हैं। परिणीति की चचेरी बहन, प्रियंका चोपड़ा, हाल ही में इंडिया आईं तो ये खबर आई थी कि दोनों सगाई भी कर लेंगे। हालांकि जब ये सगाई नहीं हुई। अभी तक न तो परिणीति और न ही राघव ने अपने रिश्ते की पुष्टि की है।

परिणीति का कोड नाम- तिरंगा के सह-कलाकार हार्डी संधू अफवाहों की पुष्टि करते दिखाई दिए, जब उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्होंने पहले ही परिणीति को कॉल और बधाई दी थी। मैं बहुत खुश हूँ कि यह आखिरकार हो रहा है। मैं उसे शुभकामनाएं देता हूं। वहीं आम आदमी पार्टी के सांसद संजीव अरोड़ा ने 28 मार्च को ट्विटर पर परिणीति और राघव को बधाई दी थी। तो ये खबर और पक्की हो गई।

संसद से बाहर निकलते समय पत्रकारों को जवाब देते हुए, राघव चड्ढा ने कहा था, आप मुझसे राजनीति के सवाल करिए, परिणीति के सवाल मत करिए ।

राघव चड्ढा आप के वरिष्ठ नेता और सांसद हैं। परिणीति ने अपने अभिनय की शुरुआत 2011 की रोमांटिक कॉमेडी लेडीज़ वर्सेस रिकी बहल से की। वह जल्द ही चमकिला में दिलजीत दोसांझ के साथ नजर आएंगी।

ऐश्वर्या राय की 'पोन्नियिन सेल्वन 2' कर रह धुंआधार कमाई, चार दिन में 200 करोड़ के पार हुई फिल्म

ऐश्वर्या राय की फिल्म'पोन्नियिन सेल्वन 2 बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। फिल्म ने महज 4 दिनों में 200 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है।

निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 2 इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। पोन्नियिन सेल्वन 2 मोस्ट पॉपुलर हिस्टोरिकल ड्रामा फिल्म है। चियान विक्रम, ऐश्वर्या राय, कार्ति, जयम रवि और तृष्णा कृष्णन की यह फिल्म चोल राजवंश की कहानी पर आधारित है। रिलीज होते ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है।

दर्शकों को यह फिल्म खूब पसंद आ रही है। हर तरफ इसकी तारीफ हो रही है, रिलीज के साथ ही फिल्म का दर्शकों के बीच खूब क्रेज देखा जा रहा है। फिल्म शुक्रवार 28 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

फिल्म ने रिलीज के चार दिन भीतर ही वर्ल्डवाइड नया रिकॉर्ड बना दिया है। जहां फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार लिया है, तो वहीं ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला के मुताबिक, वर्ल्डवाइड फिल्म ने फर्स्ट वीकेंड में 200 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है।

'पोन्नियिन सेल्वन 2' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

'पोन्नियिन सेल्वन 2' मूल रूप से एक तमिल फिल्म है। यह फिल्म हिंदी, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ में भी रिलीज हुई है। हालांकि, भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को तमिल के अलावा दूसरी भाषाओं में अच्छा रेस्पॉन्स मिला है। इसके अलावा फिल्म के विदेशों में भी काफी पसंद किया जा रहा है। शनिवार 28 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म ने ओपनिंग डे पर 24 करोड़ और दूसरे दिन 26 करोड़ का बिजनेस किया था। तीसरे दिन फिल्म ने 30.3 करोड़ का बिजनेस किया।

योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का अध्ययन कराया जाए - मुख्यमंत्री श्री चौहान

नीति आयोग ने सराहा प्रदेश के आकांक्षी जिलों में हुए कार्यों को

मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में हुई म.प्र. राज्य नीति आयोग की बैठक

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में क्रियान्वित की जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रभावशीलता के अध्ययन के लिए एक केंद्र विकसित किया जाए। प्रभावशीलता के व्यवहारिक आकलन के लिए विश्वविद्यालयों और विकास संस्थान के विशेषज्ञों को जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना के आलोक में मध्यप्रदेश में कारीगरों के उन्नयन और कौशल विकास के लिए रोड मेप तैयार हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान म.प्र. राज्य नीति आयोग की चौथी बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंत्रालय में हुई बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. सचिन चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री अजीत केसरी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश की प्रगति पर केंद्रित पुस्तिका का प्रकाशन किया जाए

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में लोग मत्स्य-पालन पर निर्भर हैं। अतः मध्यप्रदेश मत्स्य नीति और मत्स्य गतिविधियों पर पीपीपी मोड में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित करने संबंधी कार्य समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। प्रदेश में जन सेवा मित्र बेहतर कार्य कर रहे हैं। इनकी गतिविधियों का विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अन्य राज्यों की बेस्ट प्रेक्टिसेस को मध्यप्रदेश की परिस्थितियों और आवश्यकताओं के अनुसार चिन्हित कर उन्हें लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में जो योजनाएँ और कार्यक्रम लोगों की जिंदगी बदलने में प्रभावी रहे हैं, उनका अध्ययन कर प्रदेश में उनके क्रियान्वयन की संभावनाओं पर विचार किया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश की प्रगति पर केंद्रित पुस्तिका का प्रकाशन भी किया जाए, इससे पिछले दशकों में प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक क्षेत्र और अधो-संरचना में आए बदलाव की तथ्यात्मक जानकारी प्रदेशवासियों को मिल सकेगी।

रोजगार के लिये अंतर्राष्ट्रीय कनेक्ट में गतिविधियाँ जारी

जानकारी दी गई कि प्रदेश के आकांक्षी जिलों में हुए बेहतर कार्य को देखते हुए नीति आयोग द्वारा लगभग 71 करोड़ से अधिक की राशि राज्य सरकार को प्रदान की गई है। इसमें छतरपुर को सर्वाधिक 14 करोड़ 70 लाख रूपए प्राप्त हुए हैं। नीति आयोग द्वारा प्रदेश के आकांक्षी विकासखण्ड मॉडल का भी अध्ययन कराया गया है। प्रदेश में डाटा क्षेत्र में सुधार के लिए गतिविधियाँ जारी हैं। जर्मनी और आयरलेंड में नर्सिंग क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए रोजगार के लिये अंतर्राष्ट्रीय कनेक्ट के अंतर्गत राज्य नीति आयोग, संबंधित देशों के दूतावासों के सम्पर्क में है। बैठक में राज्य नीति आयोग से संबंधित विभिन्न प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा हुई और अनुमोदन दिया गया।

जल-प्रदाय योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी से जन-प्रतिनिधियों को जोड़ा जाए- मुख्यमंत्री श्री चौहान

जल निगम के संचालक मंडल की बैठक सम्पन्न

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश जल निगम की जल-प्रदाय योजनाओं के संचालन और रख-रखाव के लिए पर्यवेक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण की व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए। योजना के क्रियान्वयन और उसकी निगरानी में स्थानीय जन-प्रतिनिधियों को जोड़े। जल निगम की परियोजनाओं के क्रियान्वयन में ग्रामीणों की सहभागिता को प्रोत्साहित करने में जन अभियान परिषद को भी सम्मिलित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान निगम के संचालक मंडल की 21वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंत्रालय में हुई बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव श्री अजीत केसरी, श्री मलय श्रीवास्तव, श्री एस.एन. मिश्रा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सिंगरौली जिले में गोंड देवसर समूह जल-प्रदाय योजना पर इंटेक वेल के लिए बाँध निर्माण, रतलाम एवं धार जिले की जल आपूर्ति योजना के स्रोत के लिए जल संसाधन विभाग को माही नदी पर तलवाड़ा बैराज की निर्माण लागत साझा करने सहमति प्रदान की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि आउट सोर्स व्यवस्था में लगे कर्मचारियों का शोषण न हो।

बैठक में निगम में संविदा पर नियुक्त महिला कर्मचारियों के लिए 90 दिनों के मातृत्व अवकाश के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। निगम द्वारा विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और संस्थाओं के इंटर्न को प्रशिक्षित करने संबंधी प्रस्ताव को भी स्वीकृत किया गया।

किशोर बालकों की भागीदारी से श्रेष्ठ समाज का निर्माण संभव - राज्य मंत्री श्री परमार

मार्गदर्शिका उज्ज्वल - बदलाव हम से का किया विमोचन

स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने आज मंत्रालय में अपने प्रतिकक्ष में जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम उमंग के अंतर्गत किशोरावस्था के बालकों की नैतिक शिक्षा के लिए तैयार प्रशिक्षण मार्गदर्शिका उज्ज्वल - बदलाव हम से का विमोचन किया। राज्य मंत्री श्री परमार ने समाज में क्रांतिकारी बदलाव की इस अनुकरणीय पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में प्रदेश पहला ऐसा राज्य बनने जा रहा है, जहां बेहतर समाज के निर्माण हेतु स्कूल में अध्ययनरत किशोरवय बालकों की भागीदारी की सुनिश्चितता पर कार्य किया जा रहा है। इस उद्देश्य के लिए प्रशिक्षण मार्गदर्शिका उज्जवल का निर्माण किया गया है।

किशोरवय बालकों में सकारात्मक सोच एवं बालिकाओं तथा स्त्रियों के प्रति समानता के भावों को विकसित करने हेतु देश में पहली बार एक अभिनव पहल की जा रही है, जिसे भविष्य में न केवल राष्ट्रीय स्तर अपितु वैश्विक स्तर तक प्रसारित किया जा सकेगा। उज्ज्वल मार्गदर्शिका का विमोचन समाज में एक बदलाव के कार्य का आरंभ हैं। यह मार्गदर्शिका आज के किशोर बालकों में महिलाओं एवं बालकों के प्रति उनके अपेक्षित सम्मान, उनकी सुरक्षा, विकास के लिए बराबरी के अवसर सुनिश्चित करने के लिए नए दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायक बनेगी। आज के बच्चे और किशोर ही कल के वयस्क और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। इस उम्र में किशोर छात्रों को सही शिक्षा दी जाए तो समाज में प्रत्येक स्तर और सभी स्थानों पर स्त्रियों और पुरुषों को समान आदर, समान अधिकार व समान अवसर मिल सकेंगे। मार्गदर्शिका %उज्ज्वल% में इसी परिपेक्ष्य में विभिन्न मुद्दों जैसे- भेदभाव, हिंसा, टकराव, सायबर अपराध और कुप्रथाओं को रोकने में लड़कों की भूमिका तथा सकारात्मक सोच की अवधारणा, व्यवहार और कार्यों में उनकी बराबरी की भागीदारी आदि को सम्मिलित किया गया है। श्री परमार ने इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग एवं सहयोगी संस्था को बधाई दी।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमति रश्मि अरुण शमी ने बताया कि जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम- उमंग स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 2017 से समग्र शिक्षा अभियान (सेकेंडरी एजुकेशन) अंतर्गत कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए प्रदेश के सभी हाई/ हायर सेकेंडरी स्कूलों में संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्कूल के छात्र-छात्राओं में सकारात्मक सोच, दृष्टिकोण व जीवन की चुनौतियों का सामना करने के कौशल विकसित किए जाते हैं। वर्तमान में यह कार्यक्रम अपने नवीन स्वरूप उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम के रूप में स्कूल शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग, मध्य प्रदेश शासन के संयुक्त तत्वाधान में सभी 9217 विद्यालयों में संचालित किया जा रहा है। उमंग कार्यक्रम भी प्रदेश का एक सराहनीय कार्यक्रम है, जिसके माध्यम से विभिन्न किशोर छात्र-छात्राएं भी लाभान्वित हो रहे है। इससे किशोर बालकों में सकारात्मक व्यवहारिक परिवर्तन आयेंगे और वे अपने स्कूल, घर और समाज सभी जगहों पर लिंग भेद भुलाकर समानता के भाव को विकसित कर बेहतर जीवन जीने की दिशा में बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा।

इस अवसर पर आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव, अपर मिशन संचालक श्रीमती मनीषा सेंतिया एवं ह्यूनक्र (संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष) की भारत में प्रतिनिधि सुश्री एंड्रिया एम वोज्नार, उप प्रतिनिधि श्री राम हरिदास और स्टेट कॉर्डिनेटर अनुराग सोनवलकर सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

मैं अनंत की शक्ति हूं...

खहमें सरस्वती की भी आराधना करनी चाहिए । सरस्वती का कार्य बड़ा महान है। महा सरस्वती ने पहले सारा अंतरिक्ष बनाया। उसमें पृथ्वी तत्व विशेष हो पृथ्वी तत्व को इस तरह से सूर्य और चंद्रमा के बीच में लाकर खड़ा कर दिया कि वहां पर कोई सी भी जीवंत क्रिया आसानी से हो सकती है। इस जीवन प्रक्रिया से धीरे-धीरे मनुष्य भी उत्पन्न हुआ। परंतु हमें अपनी बहुत बड़ी शक्ति को जान लेना चाहिए। वह शक्ति है जिसे हम सृजन शक्ति कहते हैं वीटीवीटी क्रिएटिविटी कहते हैं। यह सृजन शक्ति सरस्वती का आशीर्वाद है जिसके द्वारा अनेक कलाएं उत्पन्न हुई । कला का प्रादुर्भाव सरस्वती के ही आशीर्वाद से है । हमारे बच्चे स्कूल में विद्यार्जन कर रहे हैं । पर हमें ध्यान रखना चाहिए कि बिना आत्मा को प्राप्त किए हम जो भी विद्या पा रहे हैं वह सारी अविद्या है । बिना आत्मसाक्षात्कार प्राप्त किए आप चाहे साइंस पढ़े या अर्थशास्त्र उसे ना तो आप पूरी तरह समझ सकते हैं और ना ही उसको अपनी सर्जन शक्ति में ला सकते हैं । बच्चे दो प्रकार के होते हैं एक तो पढ़ने के शौकीन होते हैं और दूसरे जिन्हें पढ़ने का शौक नहीं होता । कुछ बच्चों के पास कम बुद्धि होती है और कुछ के पास अधिक । बुद्धि भी सरस्वती की देन है लेकिन आत्मा से मनुष्य में सुबुद्धि आ जाती है। बुद्धि से पाया हुआ ज्ञान जब तक आप सुबुद्धि पर नहीं तोलिएगा तो वह ज्ञान हानिकारक हो जाता है । इसलिए बहुत से लोग सोचते हैं कि पढ़ने लिखने से बच्चे बेकार हो जाएंगे, सफेदपोश होकर फिर खेती नहीं करेंगे । बस अपने को कुछ विशेष समझ कर के और इसी बहकावे में रहेंगे। किंतु आत्मसाक्षात्कार को पाकर जो विद्यार्जन होता है उसमें बराबर नीर क्षीर विवेक आ जाता है। वह समझ लेते हैं कि कौन सी चीज अच्छी है और कौन सी बुरी है। कौन सी चीज सीखनी चाहिए और कौन सी चीज नहीं सीखनी चाहिए उससे पहले कोई मर्यादा नहीं होती । मनुष्य किसी भी रास्ते पर जा सकता है और किसी भी और मुड़ सकता है और कोई भी बुरे काम कर सकता है। आजकल आप जानते हैं कि छोटे बच्चों में बहुत सारी बुराइयां आने की संभावना है और बड़ों में तो हो ही रहा है की ड्रेस आ गए और दुनिया भर की गंदी बातें बच्चे सीख रहे हैं और परेशानी में फंस गए हैं । यह सब चीजों का इलाज एक ही तरीके से हो सकता है कि इनके अंदर आप आत्मा का साक्षात्कार करें आत्मा का साक्षात्कार मिलने से ही सरस्वती की भी चमक आपकी बुद्धि में आ जाती है और जो बच्चे पढ़ने लिखने में कमजोर होते हैं वो भी अच्छा कार्य करने लग जाते हैं । इसके बाद कला की उत्पत्ति होती है अगर आप कला के बगैर आत्मसाक्षात्कार को ही अपना ना चाहे तो वह कला अधूरी रह जाती है या वो बेमयार्दा कहीं ऐसी जगह टकराती है कि जहां उसकी कला का नामोनिशान नहीं रह जाता । तो पहले आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करना ही सरस्वती का पूजन करना एक बड़ी शुभ बात है । हमें सरस्वती के प्रति उदासीन नहीं रहना चाहिए। मैं देखती हूं कि जहाँ जहाँ लोग खेती करते हैं वहां वहां धीरे-धीरे उनका संबंध प्रकृति से होता है और प्रकृति की जो खूबसूरती है उसे वह प्रकट करना चाहते हैं । जो कलाकार होता है वह भी प्रकृति की खूबसूरती को देखकर हुबहू उस तरह से ना बना उसमें अपनी भावना डालकर उसे एक नया रूप दे देता है । जब आप कला को पाने लग जाएंगे और जब आप कला की शुभ संवेदना समझ लेंगे तब आप कलात्मक चीजों की ही और रहेंगे । बहुत सी चीजें लोग बनाते हैं पर कुछ चीजें ऐसी बनती है जिसमें स्वयं चैतन्य बहता है। ऐसे तो पृथ्वी तत्व से ही बहुत से स्वयंभू निकल आए हैं लेकिन अगर आत्मसाक्षात्कारी मनुष्य कोई पुतला बनाता है या कोई कलात्मक चीज बनाता है तो उसमें से भी चेतन आने लग जाता है । सुंदर होने के साथ-साथ ऐसी कृती में एक तरह की अनंत शक्ति होती है। किसी साधारण कलाकार की बनाई कला शीघ्र समाप्त हो जाती है ।उसके प्रति ना तो लोगों की आस्था होती है और ना ही कोई श्रद्धा लेकिन अगर कोई कलाकार आत्म साक्षात्कारी हो तो उसकी कला अनंत तक चलती है क्योंकि उसके अंदर अनंत की शक्ति निहित होती है क्योंकि उसने जो कुछ भी बनाया वह आत्मा की अनुभूति से बनाया है जो आत्मा की रुचिकर है जो आत्मा पसंद करें ऐसी चीज वह बनाता है ।। कलात्मकता इस तरह से मनुष्य में बहुत सुंदरता से पनपती है और ऐसी कितनी भी कला की चीजें बनती हैं वो हमेशा के लिए संसार में मानी जाती हैं । आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति की कला अनंत की शक्ति से प्लावित होती है। तो आप लोग भी आत्मसाक्षात्कारी हो गए हैं कला की ओर दृष्टि बढ़ाने से एक तो जीवन में सौंदर्या आ जाता है और जीवन का रहन सहन सुंदर हो जाता है । उसके लिए जरूरी नहीं कि आप बहुत रुपया पैसा खर्च करें। मिट्टी में भी कला भरी है । आप मिट्टी की भी कोई चीज बनाएं तो भी वह कलात्मक हो सकती है । हमारे ऊबड़ खबड़ जीवन में यदि थोड़ी सी कला की झलक आ जाए तो बड़ा ही सुख और आनंद मिलता है। इसलिए आप लोगों की दृष्टि अब कला की ओर जाए तो बड़ा अच्छा हो जाए सभी लोगों के लिए। हाथ से बनी हुई चीजों में चेतन ने बहता है। मशीनों का अत्यधिक प्रयोग करने से ही वातावरण दूषित हो गया है इसका इलाज ही यह है कि आप कलात्मक चीजों की ओर बढ़े जब लोग कलात्मक चीजों की ओर बढ़ेंगे तो एक तरह की श्रद्धा कला के प्रति हो जाएगी । सबसे बड़ी बात तो यह है कि हम हजारों चीजों को बेकार ही खरीदते हैं वह बंद हो जाएगी । हाथ से बनी चीजों के द्वारा अपने हृदय का आनंद हम दूसरों को समर्पित करते हैं । अब यह सोचना है कि किस तरह से यह सौंदर्य स्थापित हो । सबसे पहले सौंदर्य में हमेशा वैचित्र्य होना चाहिए, वैरायटी होना चाहिए । परमात्मा ने यदि सब की शक्ल एक सी बनाए होती तो कैसे लगते हम लोग? सभी लोग अलग-अलग प्रकार के कपड़े पहनते हैं । हमारे देश की सभी स्त्रियां अलग ढंग रंगों की साड़ियां पहनती हैं । यह वैचित्र्य केवल हमारे देश में ही मिलता है । विकसित देशों की औरतें तो गुलाम की तरह एक ही प्रकार के फैशन करती हैं । एक ही प्रकार के बाल बनवाते हैं । उसमें कोई फर्क ही नहीं प्रतीत होता । उनके अंदर जो आत्मा है वह दबी हुई है । उनमें ना वैचित्र्य है और न ही सृजन शक्ति । अब कला का भी यही हाल हो गया है । विदेशों में अच्छी कलाकृतियां अधिक नहीं निकलती । जब कला पैसे पर उतर आती है तब उसकी आत्मा ही खत्म हो जाती है। कला आनंदमई होना चाहिए न कि उससे कितना पैसा मिले । जब आप की यह धारणा और लक्ष्य हो जाएगा तो स्वयं आत्मा ही आपको ऐसी प्रेरणा देगा कि आप ऐसी ऐसी सुंदर चीजें बनाएंगे जो भूतो ना भविष्यति पहले कभी बनी नहीं और ना बनेगी । एक से एक कलात्मक चीज लोग बनाएंगे और शांत प्रकृति गाँवो में के लोग इस प्रकार की रचना कर सकते हैं । शांतिमय ध्यानावस्था में रहे बिना कला सृजन अधूरा रह जाता है या मयार्दा विहीन । आपको कला का तंत्र तथा तकनीक मालूम होनी चाहिए । जब आपको आत्मसाक्षात्कार होता है तभी आपकी श्रजन कला बढ़ जाती है। जब आप पर सरस्वती जी की कृपा होती है तो आप कलाकार बन जाते हैं लेकिन आप आत्मसाक्षात्कारी कलाकार हो जाते हैं । जब आप आत्मसाक्षात्कारी कलाकार हो जाते हैं तब आपका सारा ही व्यक्तित्व बदल जाता है और जो भी सृजन आप करते हैं उसमें वह शक्ति जिसे मैं अनंत की शक्ति कहती हूँ। वह समाहित होती है और ऐसी बनाई हुई चीजें ऐसी क्रिया से जिसने कोई सा भी कार्य संपन्न किया हो, उसकी कीमत आंकी ही नहीं जा सकती और अनंत तक उसकी सौंदर्य शक्ति प्रदर्शित होती रहती है। सहजयोगियों के लिए बहुत जरूरी है कि वह कला में उतरे और कला को समझें।....

आपदा के दौरान धैर्य के साथ क्राउड नियंत्रण अहम

इदौर। शहर में आकस्मिक परिस्थिति प्राकृतिक आपदा (आगजनी) के दौरान नियंत्रण हेतु अधिकारी-कर्मचारियों के लिए कमिश्नर मकरंद देऊस्कर के मार्गदर्शन में शुक्रवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पलासिया स्थित सभागृह मे किया गया। कार्यक्रम में अति. पुलिस उपायुक्त मुख्या/अपराध राजेश हिंगणकर, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय नगरीय जगदीश डाबर, अति. पुलिस उपायुक्त मुख्यालय नगरीय मनीषा पाठक सोनी, सहायक पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजय वाजपेयी, उनि शिवनारायण शर्मा (फायर सर्विसेस), दिनेश दुबे (सीज फायर) सहित शहर के विभिन्न थानों एवं रक्षित केंद्र के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहें।

कार्यक्रम में एडि. सीपी राजेश हिंगणकर ने बताया कि आकस्मिक परिस्थिति के दौरान संयम बनाकर रखना एवं वहा उपस्थित भीड को नियंत्रित करना अहम है। प्रशिक्षण के दौरान फायर टीम ने आग लगने के कारण, बचाव व सुरक्षा के बिंदुओं पर बारीकी से प्रकाश डाला। दमकल केंद्र अधिकारी उनि शिवनारायण शर्मा ने आग के ए, बी, सी व डी क्लास की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ए क्लास की आग के लकड़ी, कोयला में लगने वाली आग होती है। इसे पानी व पानी वाले अग्निशमन उपकरण से बुझाया जा सकता है। बी क्लास में तैलीय पदार्थ में लगी आग शामिल है। इस प्रकार की आग को बुझाने के लिए फॉम वाले अग्निशमन यंत्र का प्रयोग किया जाता है। गैस में लगी आग सी क्लास आग होती है जिसे बुझाने के लिए गैस वाले अग्निशमन यंत्र का प्रयोग किया जाता है। वहीं डी क्लास आग धातु या बिजली की तारों में लगी आग शामिल होती है। इस आग को बुझाने के लिए पाउडर वाले अग्निशमन यंत्र प्रयोग किए जाते हैं।

इसके बाद दमकल टीम ने आग बुझाने, आग लगने के दौरान फंसे व्यक्ति को बचाने, रस्सी में गांठ लगाकर उसका प्रयोग करने आदि कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को समझाया तथा रेस्क्यू आपरेशन करके बताते हुए कहा कि रेस्क्यू आपरेशन के दौरान हमें पूरी तरह तैयार होकर यानी फायर कॉस्ट्यूम व उपकरण का इस्तेमाल करके जोखिम उठाना चाहिए। दमकल टीम ने बारी-बारी से महिला व पुरुष पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दिया। दमकल टीम द्वारा प्रशिक्षण शिविर अग्नि सुरक्षा व बचाव की जानकारी दी। पुलिसकर्मियों को आग लगने के बाद उसे बुझाने व बचने के लिए रेस्क्यू आपरेशन दिखाया गया। वहीं, पुलिस को आपदा प्रबंधन के भी टिप्स दिए गए।

इंदौर कलेक्टर की चेतावनी- सरकारी कार्यालयों में समय पर पहुंचें कर्मचारी, वरना होगी कार्रवाई

इंदौर (अशोक सैनी)। शासकीय कार्यालयों में देरी से आने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर अब कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर इलैया राजा टी ने इसके निर्देश दिए हैं। सभी शासकीय कर्मचारियों को निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचना होगा। कलेक्टर ने निरीक्षण के लिए दल बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर इलैया राजा टी की अध्यक्षता में सोमवार को समय सीमा के पत्रों के निराकरण (टीएल) की बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों को लेकर निर्देश दिए कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि उनसे संबंधित अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय सीमा में हो। प्रकरणों का सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। वे यह भी तय करें कि उनका विभाग प्रकरणों के निराकरण में प्रदेश में प्रथम दस जिलों में शामिल रहे। अधिकारी इस सप्ताह में प्रकरणों के निराकरण पर विशेष फोकस करें। बैठक में वन मंडल अधिकारी नरेन्द्र पांडवा, अपर कलेक्टर अजय देव शर्मा, अभय बेड़ेकर, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी वंदना शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निजी अस्पताल के डॉक्टरों की ड्यूटी लगाएं

बैठक में कलेक्टर ने मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं महासंघ द्वारा प्रस्तावित चरणबद्ध हड़ताल के मद्देनजर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय चिकित्सालयों में ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए कि वहां प्रसूति एवं अन्य जरूरी उपचार कार्य प्रभावित नहीं हों। इसके लिए प्राइवेट अस्पतालों के चिकित्सकों की सेवाएं ली जाएं।अस्पताल वार प्राइवेट चिकित्सकों को जवाबदारी सौंपे। किसी भी हाल में प्रसूति एवं अन्य जरूरी उपचार कार्य प्रभावित नहीं होना चाहिए।

कोर्ट ने भूमाफियाओं से कहा- सेटलमेंट नहीं करोगे तो आपका क्या होगा, मालूम है?

इंदौर । कालिंदी, सैटेलाइट और फीनिक्स कालोनियों को लेकर भूमाफिया चंपू अजमेरा, नीलेश अजमेरा, हैप्पी धवन, निकुल कपासी, महावीर जैन, चिराग शाह, योगिता अजमेरा और अन्य के मामले में सोमवार को हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। आरोपित चंपू, हैप्पी, कपासी और जैन हाई कोर्ट के समक्ष उपस्थित हुए, लेकिन आरोपित नीलेश अजमेरा नहीं आया।

कोर्ट ने आरोपितों से कहा कि पता है सुप्रीम कोर्ट ने आपको किस आधार पर जमानत दी है। सेटलमेंट नहीं करते हैं तो क्या होगा, आपको पता है। आरोपितों ने कोर्ट से कहा कि हमने ज्यादातर मामलों में सेटलमेंट कर लिया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि प्रशासन की रिपोर्ट तो कुछ और ही बता रह रही है। करीब सवा घंटे बहस सुनने के बाद कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रख लिया। इसके जारी होने के बाद ही पता चलेगा कि भूमाफिया फिर सलाखों के पीछे जाएंगे या नहीं।

नगर निगम मुख्यालय परिसर में बनेगा मेट्रो का अंडर ग्राउंड स्टेशन

इंदौर। मेट्रो के अगले चरण में रीगल तिराहे से गांधीनगर के बीच अंडर ग्राउंड मेट्रो के निर्माण की योजना बनाई जा रही है। इस रूट के नौ किलोमीटर हिस्से में सात स्टेशन बनाए जाएंगे। इनमें से एक नगर निगम मुख्यालय परिसर में होगा। ऐसे में राजवाड़ा जाने वालों को निगम मुख्यालय परिसर में उतरना होगा। इस स्टेशन पर एमजी रोड से आने के लिए रास्ता भी बनाया जाएगा।

निगम मुख्यालय परिसर में बने सुलभ कांप्लेक्स के पास वाले पार्किंग शेड के हिस्से में मेट्रो का अंडर ग्राउंड स्टेशन बनना प्रस्तावित है। इसका नाम राजवाड़ा स्टेशन होगा। निर्माण के लिए परिसर की कुछ पुरानी अनुपयोगी इमारतों को हटाया जाएगा। पुरातत्व विभाग के नियमों के अनुसार ऐतिहासिक धरोहर राजवाड़ा के आसपास 300 मीटर हिस्से में किसी भी प्रकार के निर्माण पर प्रतिबंध है। इस वजह से राजवाड़ा से 650 मीटर दूर निगम मुख्यालय परिसर में अंडर ग्राउंड स्टेशन बनाने का निर्णय लिया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)